MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Kailash Soni: Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Deepak Prakash (Jharkhand), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Shri Ram Chander Jangra (Haryana) and Dr. Sonal Mansingh (Nominated).

Pro-Khalistani activities on Foreign Soil

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र): ऑनरेबल चेयरमैन सर, मैं आपका शुक्रिया करना चाहूंगी कि आपने एक बहुत ही गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दे को ज़ीरो ऑवर में उठाने का मौका दिया है। हाल ही में हमने देखा है कि किस तरीके से खालिस्तानी टेरेरिस्ट्स जो हैं, वे embolden हो रहे हैं, वह भी फॉरेन सायल पर जाकर और हमारे देश को धमकी दे रहे हैं। वे यहां तक कहते हैं कि हम एयर इंडिया की फ्लाइट को बम से उड़ा देंगे, पार्लियामेंट पर अटैक करेंगे, तो इस तरह के जो थ्रैट्स आ रहे हैं, उन पर हमें कहीं न कहीं संज्ञान लेकर नियंत्रण करना जरूरी है। सर, हाल ही में कनाडा के साथ हमारे रिलेशन इसी वजह से escalate हुए थे। वहां पर जो हमारे डिप्लोमैट्स हैं, जो वहां पर कार्यरत हैं, उनको थ्रैटन किया जा रहा था, उनके फोटोग्राफ के साथ billboard लगाए जा रहे थे कि उनको हार्म किया जाए। मैं मानती हूं कि इस संबंध में हमें पार्लियामेंट के माध्यम से एक स्ट्रॉंग मैसेज देना जरूरी है कि इस तरह की गतिविधियां हमें स्वीकार्य नहीं हैं और हम हर कार्रवाई करेंगे to ensure the safety and security of every single citizen of this country. अमेरिका भी हमसे कह रहा है कि हम जांच करें कि जो अमेरिकन सिटीज़न हैं, जो आतंकवादी हैं, हम MEA के माध्यम से और इंटेलिजेंस एजेंसीज़ के माध्यम से उनके खिलाफ कार्रवाई करें, उनको वापस देश में लाएं, उनको जो सख्त से सख्त सजा दी जा सकती है, वह दी जानी चाहिए। सर, मैं आपके माध्यम से यही कहना चाह रही थी कि हमें इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shrimati Priyanka Chaturvedi: Shri Sanjeev Arora (Punjab), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Sushil Kumar Gupta (NCT of Delhi), Shri Rajmani Patel (Madhya Pradesh), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Deepak

Prakash (Jharkhand), Dr. Kanimozhi NVN Somu and Shri Ram Chander Jangra (Haryana).

This is an important issue. I discussed with floor leaders so that a voice from this august Chamber can go to the entire world. Now, Shri Prakash chik Baraik.

Issue of Provident Fund of North Bengal Tea belt

श्री प्रकाश चिक बाराईक (पश्चिमी बंगाल): सम्माननीय सभापति महोदय, प्रोविडेंट फंड को आधार से जोड़ने की अनिवार्यता के कारण पश्चिमी बंगाल के चाय बागान श्रमिकों को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस नीति के कारण कर्मचारियों को पेंशन की असुविधा हो रही है और प्रोविडेंट फंड की धनराशि हम लोगों को नहीं मिल रही है।

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair*.)

महोदय, मैं खुद चाय श्रमिक हूं और चाय बागान का वर्कर हूं। मैं आदिवासी सम्प्रदाय से आता हूं। इसके कारण से 58 साल के बाद चाय बागानों में जो रिटायरमेंट होती है, उस रिटायरमेंट के बाद हम लोगों को प्रोविडेंट फंड का पैसा नहीं मिलता है एवं हमें विभिन्न प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। पश्चिमी बंगाल सरकार की माननीय मुख्य मंत्री के सहयोग से बहुत सारे काम, चाय श्रमिकों एवं ग्रामीण चाय मजदूरों के लिए किए गए हैं, जैसे क्रेच, अस्पताल की व्यवस्था, भूमि अधिग्रहण बिल, भूमि का पट्टा देने से लेकर बिना पैसे में राशन, बिना पैसे में स्वास्थ्य एवं विभिन्न प्रकार की परियोजनाएं पश्चिमी बंगाल सरकार की माननीय मुख्य मंत्री की ओर से चाय श्रमिकों के लिए चलाई गई हैं। लेकिन आधार लिंक कंपल्शन के कारण पैसा नहीं मिल रहा है एवं इस मिसमैच के कारण जो गरीब चाय श्रमिक हैं, वे पैसा नहीं पा रहे हैं, पेंशन नहीं पा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्रालय को अवगत कराना चाहता हूं कि इसे जल्द से जल्द ठीक करें एवं पश्चिमी बंगाल के प्रति केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह की अवहेलना की नीति अपनाई जाती है, उसको विभिन्न प्रकार के सोर्सेज के माध्यम से ठीक किया जाए। चाय की plucking करने से मजदूरों की, महिला मजदूरों की अंगुलियाँ छिल जाती हैं। ऐसे में आधार की मोनिटरिंग नहीं हो सकती है, मशीन मोनिटरिंग नहीं कर सकती है। इसके साथ ही बहुत से ग्रामीण इलाके हैं, जहाँ पर नेटवर्क की समस्या है और उन्हें उस सुविधा के लिए भी देखना पड़ता है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आधार के कारण जो समस्या है, उसे ठीक करें एवं जब तक ऑनलाइन सब्मिशन नहीं होता है, तब तक- ऑफलाइन सुविधा को कंटीन्यू रखें, क्योंकि ग्रामीण एवं गरीब श्रमिकों को इससे असुविधा हो रही है।

महोदय, 100-150 सालों से हमारी जमीन के पट्टे की जो डिमांड थी, राज्य सरकार की माननीय मुख्य मंत्री ममता बनर्जी जी ने 10 एवं 11 दिसम्बर को अलीपुर द्वार एवं जलपाईगुड़ी में एक व्यवस्था पास कर दी एवं प्रत्येक चाय श्रमिक को जमीन का पट्टा दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें घर बनाने के लिए भी 1 लाख, 20 हज़ार रुपये दिए जा रहे हैं, जो सराहनीय हैं। महोदय,